राष्ट्रीय सहारा, लखनऊ, सोमवार, 5 नवम्बर, 2007
www.rashtriyasahara.com

कारगर है होम्योपैथी

मधुमेह मेटाबोलिज्म का एक महत्वपूर्ण विकार है जिसमें रक्त में ग्लूकोज (शर्करा) की मात्रा सामान्य से अधिक हो जाती है। इस स्थिति को हाइपरग्लाइसीमिया कहते हैं। यह दो प्रकार की होती है। पहली टाइप I इन्सुलिन आश्रित मधुमेह, यह स्थिति [illegible] इन्सुलिन न बन पाने के कारण उत्पन्न होती है। दूसरी स्थिति टाइप II इन्सुलिन का शरीर द्वारा प्रयोग न कर पाने के कारण उत्पन्न होती है।

कारण

[illegible] (एचडीएल-35 एमजी/डीएल या ट्राइग्लिसराइड 250 एमजी/डीएल या ग्लूकोज 130 एमजी/डीएल) व गर्भावस्था में भी मधुमेह होने की संभावना रहती है।

लक्षण

[illegible]

जटिलताएं

[illegible]

निदान

[illegible] 126 एमजी/डीएल [illegible] 200 एमजी/डीएल [illegible]

उपचार

[illegible]

[illegible]

होम्योपैथिक चिकित्सा

[illegible]

डायबिटीज में लाभप्रद होम्योपैथिक औषधियां

[illegible]

सावधानियां निर्देश

[illegible]

■ डा. [illegible] सिंह
(होम्योपैथिक चिकित्सक)